संस्कृत

मॉडल सेट-05

खण्ड 'क' (अपठित अवबोधनम्) 13 (अंका:)

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसपर आधारित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दें:

विद्याधनं सर्वधनप्रधानम् इति यदुक्तं तत्सत्यमेव। विद्याधनस्येदं वैशिष्ट्यं वर्त्तते यत् सर्वधनं व्ययात् क्षमाप्नोति परं विद्याधनं व्ययाद वृद्धिं गच्छति, सञ्चयात् नाशमायाति। कुबेरस्यापि असीम: कोशो व्ययात् केषुचित् दिनेषु निश्चितमेव रिक्तो भविष्यति, परम् अहो विद्याधनस्य वैचित्र्यं यदिदं मुहुर्मुहुर्व्ययादपि न क्षयं गच्छति।

(क) एक पद में उत्तर दें:- 4 x1= 4

(i) किम् धनं सर्वधनं प्रधानम्?

(ii) कस्मात् धनं क्षयमाण्नोति।

(iii) विद्याधनं कस्मात नाशमायाति?

(iv) कस्य असीम: कोश: व्ययात् रिक्तो भविष्यति?

(ख) पूर्ण वाक्य में उत्तर दें: 2 x2= 4

(i) विद्याधनस्य किं वैचित्र्यम्?

(ii) विद्याधनं व्ययाद् किं भवति?

(ग) निर्देशानुसार उत्तर दें: 4 x1= 4

(i) ''मिथ्यामेव'' इत्यस्य पदस्य किं विलोमपदं अत्र प्रयुक्तम्?

(ii) 'क्षयमाप्नोति' इति पदस्य संधिविच्छेदं कुरूत?

(iii) 'व्ययात्' इति पदे का विभक्ति?

(iv) 'नाशमायाति' इति क्रियापदे क: लकार:?

(घ) अस्य गद्यांशस्य उपयुक्तं शीर्षकं लिखत। 1

https://www.evidyarthi.in/

खण्ड 'ख' (रचनात्मक कार्यम्- पत्रलेखनम्) 15 अंकाः

2. मञ्जूषा में दिए गए पदों की सहायता से पत्र को पूर करें:- 1 x8= 8

प्रियमित्र रमेश, परीक्षाभवनात्

नमस्कारः।

भवतः (i) प्राप्तम्। भवान् विद्यायाः (ii) तु जानाति एव। श्रीकृष्णः गीतायां कथितवान् (iii) यत् नहि (iv) सदृशं पवित्रम् इह अस्ति। ज्ञानं (v) सर्वत्र प्रकाशः प्रसरति। विद्याविहीनः साक्षात् पशुः एव। कल्पलता इव विद्या (vi) वर्त्तते। देशे विदेशेषु च विद्वान् (vii) पूज्यते। एवं धनात् (viii) श्रेष्ठतरा। अतएव विद्याधनं सर्वधनं प्रधानं कथ्यते।

भवतः मित्रम्

क, ख, ग

3. निम्नलिखित में से किसी एक पर सात वाक्यों में अनुच्छेद लिखें। 1 x7= 7

(i) संस्कृत भाषायाः महत्वम् (ii) शिक्षक दिवसः

(iii)

मञ्जूषाः ज्ञानेन, महत्ता, अस्ति, पत्रं, सर्वत्र, चक्षुषा,विद्या, सर्वसुखसाधिका

हिमालयः (iv) भारतीय कृषकः

खण्ड 'ग' अनुप्रयुक्त व्याकरण एवम् अनुवाद (32 अंकाः)

4. निर्देशानुसार उत्तर दें:-

https://www.evidyarthi.in/

(क) 'देवालयः' (संधि-विच्छेद करें)। 1

(ख) 'नरकस्य+इदम्' (संधि करें) । 1

(ग) अयादि संधि का एक उदाहरण दें। 1

(घ) इ+अ से 'इ' में क्या परिवर्त्तन होगा? 1

5. (क) 'बालकानाम्' में कौन सी विभक्ति है? 1

(ख) 'भवत्सु' का मूल शब्द कौन है? 1

(ग) 'संस्कृत साहित्ये' में कौन सी विभक्ति प्रयुक्त है? 1

(i) प्रथमा (ii) तृतीया (iii) सप्तमी (iv) संबोधन

6. (क) 'लभते' किस धातु का रूप है? 1

(i) लब्ध् (ii) लप् (iii) लभ् (iv) लाभ्

(ख) 'एधि' अस् धातु के किस लकार का रूप है?

(i) लोट् (ii) लृट् (iii) लङ् (iv) लट्

7. (क) 'निशम्य' में कौन सा उपसर्ग प्रयुक्त है?

(ख) निम्नांकित में किस शब्द में आ उपसर्ग लगा है?

(i) आविष्कारः (ii) आश्रित्य (iii) आप (iv) आद्य

8. (क) 'पूज+अनीयर्' के योग से कौन सा शब्द बनेगा?

(i) पूजनीय (ii) पूजनीया (iii) पूजनीयम् (iv) पूजा

(ख) 'स्थितः' में कौन सा प्रत्यय है?

(i) क्त (ii) क्तवत् (iii) इनि (iv) छ

9. (क) 'गौर' का स्त्रीलिंग रूप क्या होगा? 1

(ख) 'किशोर+ङीप्' से क्या बनेगा?

(i) केशोरी (ii) किशोरी (iii) कैशोर्य (iv) किशोर

https://www.evidyarthi.in/

10. (क) मधु+अण् से कौन सा शब्द बनेगा? 1

(i) माधवः (ii) माधुव (iii) मधवा (iv) माद्यणः

(ख) 'सर्व+तसिल्' के योग से किस शब्द का निर्माण होगा? 1

(i) सर्वतः (ii) सर्व (iii) सर्वतो (iv) सर्वात्

11. निर्देशानुसार उतर लिखें: 4 x1= 4

(क) 'यथाशक्ति' का विग्रह करें।

(ख) पञ्चानां तन्त्राणां समाहारः का समस्त पद लिखें।

(ग) तत्पुरूष समास का एक उदाहरण दें।

(घ) 'पाणिपादम्' में कौन सा समास है?

12. (क) 'हेतौ तृतीया' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या करें? 2

(ख) 'सीता रामेण सह वनं गतवती।' रामेण में कौन सी विभक्ति एवं किस सूत्र से हुई है। 2

13. निम्नांकित में से किन्हीं सात का संस्कृत में अनुवाद करें:- 7 x1= 7

(क) गाँव के दोनों ओर वृक्ष हैं।

(ख) मेरे द्वारा व्याकरण पढ़ा जाता है।

(ग) गणेश को लड्डू पसंद है।

(घ) घर से बाहर जाओ ।

(ङ) कलह करना बेकार है।

(च) हिमालय से गंगा निकलती है।

(छ) कवियों में कालिदास श्रेष्ठ है।

(ज) गणेश को नमस्कार है।

(झ) राम साँप से डरता है।

https://www.evidyarthi.in/

(ञ) वह कान से बहरा है।

खण्ड 'क' (उपठित अवबोधनम्) 40 (अंकाः)

14. निम्नांकित गद्यांशों का हिन्दी अनुवाद करें:- 3 x2= 6

(क) रामप्रवेशः केन्द्रीय लोकसेवा आयोग परीक्षायां उन्नतं स्थानमवाप।

(ख) ऋग्वेदे चतुर्विंशतिरथर्ववेदे च पञ्च ऋषिकाः

मन्त्रदर्शनवत्योः निर्दिश्यन्ते यथा-यमी, अपाला, उर्वशी, इन्द्राणी वागाम्भृणी इत्यादयः।

(ग) अतः संस्काराः मानवस्य क्रमशः परिमार्जने दोषापनयन गुणाधाने च योगदानं कुर्वन्ति।

15. निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दें: 4 x1= 4

(क) धूर्ताः किं दृष्ट्वा पलायनं कृतवन्तः?

(ख) 'शंकरचरितम्' इति जीवनचरितस्य रचयित्री का?

(ग) संस्काराः मानवस्य कुत्र-कुत्र योगदानं कुर्वन्ति?

(घ) रामप्रवेशस्य प्रतिष्ठा कथम् अभवत्?

16. भारतीय समाज के उन्नयन में स्वामी दयानंद के द्वारा किए गए प्रयासों की समीक्षा करें। 3

17. 'व्याघ्रपथिक कथा' का सारांश लिखें। 3

18. निम्नांकित श्लोकों का हिन्दी अनुवाद करें: 2 x2= 4

(क) निर्गतीनां च सर्वेषामलसः प्रथमो मतः।

किञ्चिन्न क्षमते कर्तुं जाठरेणाऽपि वह्निना।।

(ख) गायन्ति देवाः किल गीतकानि धन्यास्तु ते भारतभूमिभागे।

स्वर्गापवर्गास्पदमार्गभूते भवन्ति भूयः पुरूषाः सुरत्वात्।।

19. निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दें:- 4 x1= 4

https://www.evidyarthi.in/

(क) के वारं वारं भारते जन्म गृहणन्ति?

(ख) केन षड् दोषाः हातव्याः?

(ग) केषाम् कृते वसुधैव कुटुम्बकम्?

(घ) कस्य कस्य च वक्ता श्रोता च दुर्लभः?

20. निम्नांकित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या करें:- 3

तत्वज्ञः सर्वभूतानां योगज्ञः सर्वकर्मणाम्।

उपायज्ञो मनुष्याणं नरः पण्डित उच्यते।।

21. 'पाटलिपुत्रवैभवम्' पाठ के आधार पर पटना के वैभव का वर्णन करें । 3

22. (क) 'शास्त्रकाराः' पाठ के आधार पर शास्त्र की विशेषताओं का उल्लेख करें। 3

(ख) 'षट् वेदांगनि सन्ति। तानि शिक्षा, कल्पः, व्याकरणम्, निरूक्तम्, छन्दः, ज्योतिषं चेति।'' 3 x1= 3

(i) यह उक्ति किस पाठ की है?

(ii) वेदांग कितने है?

(iii) शिक्षा का प्रतिपाद्य विषय क्या है?

23. निम्नांकित प्रश्नों का उत्तर एकपद में में दें: 4 x1= 4

(क) शत्रुराज्यानि किं वर्धयन्ति?

(ख) क्रियां विना किं भारः?

(ग) पथिकः केन व्यापादितः खादितश्च?

(घ) सुरवावहा का?

https://www.evidyarthi.in/

उत्तराणि

मॉडल सेट-05

1. (क) (i) विद्याधनम् (ii) व्ययात् (iii) सञ्चयात् (iv) कुबेरस्य

(ख) (i) विद्याधनस्य वैचित्र्यम् अस्ति यत् मुहुर्मुहुर्व्ययादपि न क्षयं गच्छति।

(ii) कुबेरस्य असीमः कोशः अपि व्ययात् रिक्तो भविष्यति।

(ग) (i) सत्यमेव (ii) क्षयम्+आप्नोति

(iii) पञ्चमी (iv) लट्लकारः

(घ) ''विद्याधनस्य महत्वम्''

खण्ड 'ख' (रचनात्मक कार्यम् अनुच्छेद लेखम्)

2. (i) पत्रं (ii) महत्ता (iii) अस्ति (iv) ज्ञानेन (v) चक्षुषा

(vi) सर्वसुखसाधिका (vii) सर्वत्र (viii) विद्या

3. **संस्कृतभाषायाः महत्वम्**

संस्कृतभाषायाः महत्वंम् संस्कृत शब्देव प्रकटयति। इयं भाषा सर्वेषाम् कृते आवश्यकी अस्ति यतः बहुना भारतीयभाषाणां जननी अस्ति। अनेकासु भाषासु मध्ये एषा एका भाषा यत् लेखनंभवति तत् एव उच्चारणं भवति। संसारस्य सर्वश्रेष्ठानि पुस्तकानि संस्कृते एवं लिखितानि सन्ति। एषा भाषा विश्वस्य प्राचीनतमा, सर्वोत्तमा चास्ति। संगणकस्य कृते एषा समुचित। सरलाश्च भाषा अस्ति। अस्याः शब्दभंडारः अक्षयः अस्ति।

शिक्षकदिवसः

सितंबरमासस्य पञ्चमे दिवसे शिक्षकदिवसः मन्यते। अस्मिन् दिवसे एव भूतपूर्व राष्ट्रपतिः डा॰ सर्वपल्ली राधाकृष्णन् महोदयस्य जन्म अभवत्। सः अपि शिक्षकः आसीत्। अस्मिन दिवसे शिक्षकाणां विशेष सम्मानं भवति। विद्यालयेषु महाविद्यालयेषु

https://www.evidyarthi.in/

शिक्षकदिवसस्य आयोजनं भवति। अस्मिन् अवसरे शिक्षकपदस्य महता विषये विशेष आयोजनं क्रियते। सर्वकारेण शिक्षकाः सम्मानिताः भवन्ति।

हिमालयः

हिमस्य आलयः इति हिमालयः कथ्यते। अस्माकं देशस्य उत्तरस्यां दिशि पर्वतराजहिमालयः सुशोभितः। अस्मिन क्षेत्रे औषधीनां वृक्षाः अधिकाः सन्ति। इतः गंगा यमुना इत्यादयः नद्यः निस्सरन्ति। एषः पर्वतः अस्माकं शक्तिस्रोत रूपेण सुशोभते। अस्य महिमानं मुनयः कवयः शास्त्रकाराश्च गायन्ति। अयं अस्माकं रक्षकः अस्ति।

भारतीय कृषकः

भारतदेशे ग्रामाणां संख्या अधिकाः सन्ति। एषः देशः कृषिप्रधानः वर्त्तते। कृषकाः अत्र अतीव सरलाः सज्जनाः भवन्ति। एते अतिदेशभक्ताः अतिथिपरायणाः च भवन्ति। एते मनोयोगेन कृषि कार्याणि कुर्वन्ति। प्रायः कृषकाः निर्धनाः भवन्ति। यावत् तेषाम् उन्नतिः न भविष्यति तावत् अस्य देशस्य विकासः असंभवः अस्ति।

खण्ड 'ग' (अनुप्रयुक्त व्याकरणम्)

4. (क) देव+आलयः (ख) नरकस्येदम्
   (ग) नौ+इकः=नाविकः एवं अन्य (घ) य्
5. (क) षष्ठी (ख) भवत् (ग) सप्तमी
6. (क) नि (ख) (i) लोट
7. (क) नि (ख) (ii) आश्रित्य
8. (क) (iii) पूजनीयम् (ख) (i) क्त
9. (क) गौरी (ख) (ii) किशोरी

https://www.evidyarthi.in/

10. (क) (i) माधवः (ख) (i) सर्वतः

11. (क) शक्तिम् अनतिक्रम्य (ख) पञ्चतंत्रः

(ग) सभापतिः एवं अन्य (घ) द्वन्द्व

12. (क) हेतौ तृतीयाः हेतु कारण के योग में तृतीया एवं पंचमी विभक्ति का प्रयोग किया जाता है।

यथाः सः कष्टेन/ कष्टात् क्रन्दति।

(ख) तृतीया विभक्ति, सहार्थे तृतीया

13. (क) ग्रामम् उभयतः वृक्षाः सन्ति।

(ख) मया व्याकरणम् पठ्यते।

(ग) गणेशाय मोदकम् रोचते।

(घ) गृहात् बहिः गच्छ।

(ङ) अलं कलहेन।

(च) हिमालयात् गंगा निःसरति

(छ) कवीनां/कविषु कालिदासः श्रेष्ठः अस्ति।

(ज) गणेशाय नमः

(झ) रामः सर्पात् बिभेति।

(ञ) सः कर्णेन बधिरः अस्ति।

खण्ड 'घ' (पठित अवबोधनम्)

14. (क) रामप्रवेश ने केन्द्रीय लोक सेवा की परीक्षा में ऊँचा/श्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया।

(ख) ऋग्वेद में चौबीस एवं अथर्ववेद में पाँच ऋषियों ने मंत्रों का दर्शन किया, ऐसा मालूम पड़ता है जैसे- यमी, अपाला, उर्वशी, इन्द्राणी वागम्भृणी इत्यादि।

https://www.evidyarthi.in/

(ग) इसलिए संस्कारों से मनुष्य का क्रमशः शुद्ध होने में, दोषों को दूर करने में और गुणों को ग्रहण करने में योगदान करता है।

15. (क) अग्निम् (ख) पण्डिता क्षमाराव

(ग) परिमार्जने, दोषापनयने गुणाधाने च (घ) केन्द्रप्रशासने

16. स्वामी दयानंद आधुनिक भारत में समाज और शिक्षा के महान् उद्धारक और समाज सुधारक संत थे। इन्होंने राष्ट्रीयता को लक्ष्य बनाकर भारतीय समाज के लिए पथ-प्रदर्शक का काम किया। भारतीय समाज में व्याप्त रूढ़िवादिता को दूर कर नए समाज की स्थापना की। इन्होंनंजाति-वाद, छुआ-छूत, अशिक्षा, धर्म में आडंबर आदि अन्य कई कुरीतियों के विरूद्ध विद्रोह की ज्वाला प्रज्वलित की।

17. ''व्याघ्रपथिक'' नारायण पंडित विरचित ''हितोपदेश'' के 'मित्रलाभ' खण्ड से ली गई है, जिसमें लोभ के दुष्परिणाम का वर्णन है। एक बूढ़ा बाघ हाथ में सोने का कंगन लेकर तालाब के किनारे बैठकर राहगीरों को उसे लेने का आग्रह करता है। एक लोभी पथिक उस कंगन को लेना चाहता है, परंतु बाघ उसे समझता है कि इस कंगन को बिना स्नान किए नहीं लिया जा सकता। वह पथिक स्नान करने के लिए जैसे ही तालाब में जाता है वैसे ही मौजूद कीचड़ में फंस जाता है। बाघ उसे पकड़कर और मारकर खा जाता है। इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती हे कि कभी भी हिंसक जीव पर विश्वास नहीं करना चाहिए।

18. (क) दुःखी मनुष्यों में से सबसे पहला स्थान आलसी को पेट की भूख है जो उनको क्या करने के लिए बाध्य नहीं करती, अर्थात् आलसी व्यक्ति पेट के भूख को शांत करने के लिए कुछ भी कर सकते हैं।

https://www.evidyarthi.in/

(ख) जिस देश का गुणगान देवता लोग करते हैं, जहाँ की भूमि स्वर्ग और मोक्ष प्रदान करने में समर्थ है तथा जहाँ देवता लोग बार-बार जन्म लेते हैं उस भारत-भूमि पर जन्म लेकर हम भारतवासी धन्य हैं।

19. (क) देवाः (ख) भूतिमिच्छता (ग) उदारचरितानां (घ) अप्रियस्य, पथ्यस्य

20. प्रस्तुत श्लोक हमारी पाठ्य-पुस्तक पीयूषम् भाग-2 के शीर्षक पाठ 'नीतिश्लोकाः' से संकलित है। यह पाठ महाभारत के उद्योगपर्व के अंशविशेष 'विदुर नीति' से संकलित है। इस श्लोक के माध्यम से महात्मा विदुर कहते हैं कि सभी जीवों के गूढ़ रहस्य को जानने वाले सभी कर्मों के योग को जाननेवाले, मनुष्यों में उपायों को जाननेवाले व्यक्ति को पण्डित कहते हैं।

21. पाटलिपुत्र नगर अपने वैभव के लिए सभी क्षेत्रों में प्राचीन काल से ही प्रसिद्ध है। दामोदर गुप्त ने अपनी पुस्तक कुट्टनीम काव्य में स्पष्ट कहा है कि यह नगर पृथ्वी का तिलक, विद्वानों की निवास-स्थली तथा स्वर्ग से भी सुंदर है। इसी प्रकार का विचार मेगास्थनीज, फाहयान, ह्वेनसांग, इत्सिंग आदि का भी है। यह नगर चंद्रगुप्त मौर्य के समय अति शोभनीय एवं रक्षा-व्यवस्था में उत्तम था। अशोक के समय सबसे अधिक समृद्ध था तथा अंग्रेजी शासन-काल में भी इस नगर का काफी विकास हुआ था।

22. (क) सांसारिक विषयों से आसक्ति या विरक्ति, स्थायी या कृत्रिम उपदेश जो लोगों को देता है उसे शास्त्र कहते हैं। यह मानवों को कर्त्तव्य और अकर्त्तव्य का बोध कराता है तथा ज्ञान का शासक है। आजकल अध्ययन विषय ही शास्त्र है तथा पाश्चात्य देशों में अनुशासन ही शास्त्र कहलाता है।

(ख) (i) शास्त्रकाराः (ii) छह

(iii) उच्चारण-प्रक्रिया

https://www.evidyarthi.in/

23. (क) अशांतिः (ख) ज्ञानम् (ग) व्याघ्रेण (घ) अहिंसा

https://www.evidyarthi.in/